some sort of contact between the industry and the laboratories. That has also already been done. The laboratories at the national level are trying to contact the associations of the industries and are trying to exchange views. They can take the problems from the industries and try to find solutions to these problems in the laboratories. They can also transfer the new technology which is developed in the laboratories to the industries. This kind of information is given to the different kinds of laboratories in different States. At their level also they are asked to be in contact with the industries and take the information and give the technology also. This process has to be strengthened. Whatever has been done has already been done. But as our demands are great, as our expectations are very high, we have to do always a little more than what we have already done. In that respect, we would certainly try to do a little more than what has already been done, because our expectations are quite high.

THE PRIME MINISTER (SHRIMATI INDIRA GANDHI) : I think the Hon. Member's question is whether science planning is integrated in the planning process. I myself made this comment at the CSIR meetings and I think this is important.

SHRI INDRAJIT GUPTA : At least the public sector industries should be integrated with this. May be, the private sector people do not want this and they would prefer foreign things. But what about the public sector undertakings ?

SHRIMATI INDIRA GANDHI : That is what we have taken up.

SHRI PRATAP BHANU SHARMA : Government had set up a Council for Advancement of Rural Technology, known as CART. I would like to know from him whether it is a fact that CART has identified the areas for the applied use of the technology developed by CSIR and, if so, the details thereof ? What is the progress in implementation of rural technology there ?

SHRI SHIVRAJ V. PATIL : CART comes under the Rural Development Department; it is not strictly under CSIR. There will be co-ordination and co-operation between the two. There are certain technologies developed by the CSIR, which can be used in rural areas—agro-based technologies, technology for tanning etc. I have with me the entire details of the amount of technology and the number of them which have been introduced. But CART is not strictly under our department. It will separately do it; we also do it.

Legislation to Apprehend Criminals/Anti-Social Elements Taking Refuge in Places of Worship

+

*244. SHRI B.D. SINGH :
SHRI RASHEED MASOOD:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government propose to bring a legislation to apprehend the suspected criminals/anti-social elements who take refuge in places of worship after committing a crime or indulging in anti-social and secessionist activities;

(b) if so, the decision, if any, taken by Government in this regard; and

(c) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI P.C. SETHI) : (a) to (c) Under the law, a police officer having authority to arrest can enter "any place" to apprehend and arrest a person suspected of the commission of a crime. "Place", as defined under Section 2(p) of the Code of Criminal procedure, does not exclude a place of worship. There is therefore no need to undertake fresh legislation for the purpose.

श्री बी० डी० सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने कहा है कि देश के वर्तमान कानून में पर्याप्त व्यवस्था है कि अपराधी कहीं पर भी छिपा हो, उसको पकड़ा जा

सकता है। मेरे पास बहुत से अखबारों की कटिंग्ज हैं, जिनमें सरकार की तरफ से बार-बार कहा गया है कि पंजाब के गुरुद्वारों में क्रिमिनल्ज शरण लेते हैं। पंजाब के चीफ मिनिस्टर ने 15 जुलाई को शिमला में एक वक्तव्य में कहा है :—

"Most of the extremists responsible for the killings in Punjab have been identified and they continue to take shelter in the religious places."

मैं गृह मन्त्री से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार की कुछ ऐसी नीति बन गई है कि विभिन्न धर्मों में भेदभाव किया जाए। हमारे देश में बहुत से धर्म हैं। अगर तमाम धर्मों के पूजास्थलों में क्रिमिनल शरण लेते हैं, तो क्या सब धर्मों के पूजास्थलों में पुलिस नहीं जाएगी और वहां पर क्रिमिनल्ज को ऐप्रिहेंड नहीं किया जाएगा, या क्या सरकार कुछ विशेष धर्मों को विशेष छूट दे रही है; यदि हां, तो विभिन्न धर्मों में इस तरह का भेदभाव क्यों किया जा रहा है ?

SHRI P.C. SETHI : As I have said, under the law there is no inhibition in going to these places. But, as far as the Golden Temple is concerned, the Government has exercised restraint, keeping in view the sentiments of the Sikh community.

श्री बी० डी० सिंह : कुछ धर्मों के लोगों का सेंटीमेंट है और दूसरे धर्मों के लोगों का कोई सेंटीमेंट नहीं है, यह बात समझ में नहीं आती। इसको मंत्री महोदय ने स्पष्ट नहीं किया है।

SHRI K. MAYATHEVAR : The other religious communities have no sentiments ? The other Gods have no sentiments ?

PROF. MADHU DANDAVATE : He is an atheist.

SHRI K. MAYATHEVAR : No, I am a strong believer in God.

THE PRIME MINISTER (SHRIMATI INDIRA GANDHI) : You may have other sentiments, if not on this subject. Everybody's sentiments are of equal value and should be respected. But, as the Hon. Members know, there is a specially explosive situation in that particular area. Our major objective must be to calm people down and to see that the violence and suspicions which have been aroused are contained. That has to be the first criterion.

श्री बी० डी० सिंह : अध्यक्ष जी, पंजाब की जो अन्य समस्यायें हैं उसमें अलग से एक निरंकारियों की समस्या है। अभी निरंकारी मिशन ने फैसला किया है कि आगामी 15 अगस्त को वे एक बलिदानी जत्था अमृतसर भेजना चाहते हैं। (**व्यवधान**) क्योंकि निरंकारी मिशन विश्वास करता है कि आए दिन पंजाब में उनकी हत्या हो जाती है। वे विश्वास करते हैं कि सरकार उनको प्रोटेक्शन देने में सफल नहीं हो रही है और आए दिन वे मारे जा रहे हैं। इसलिए वे कहते हैं कि हमारा बलिदानी जत्था जाएगा और गुरुनानक निवास से भिंडरावाले ने चैलेंज किया है कि अगर वे आयेंगे तो उनकी इच्छा पूरी करेंगे। यह एक गम्भीर समस्या पैदा हो गई है। क्या सरकार की नालेज में यह बात है और इस सम्बन्ध में सरकार क्या कार्यवाही करने जा रही है ?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : निरंकारी जत्थे के जाने की खबर सभी को विदित है और सरकार को भी विदित है। जहां तक भिंडरावाले के बयान का सवाल है, वह समाचार-पत्रों में भी आ चुका है कि उन्होंने इस प्रकार का खतरनाक बयान दिया है। इस सम्बन्ध में जहां तक निरं-

कारियों के बचाव का प्रश्न है, जब-जब निरंकारी मण्डल का प्रतिनिधि मण्डल प्रधान मन्त्री जी से या मुझ से मिला है तो हमने बार-बार पंजाब सरकार से कहा है कि निरंकारियों को पूरी तरह से संरक्षण दिया जाना चाहिए। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि उनके सम्पूर्ण संरक्षण की स्थिति पैदा नहीं हुई है। जहां तक 15 तारीख को उनके जत्थे के जाने का सवाल है, मैं सारे सदन से अपील करना चाहता हूं और माननीय अध्यक्ष महोदय, आपसे भी, कि यह अपील प्रसारित की जाए कि वे फिलहाल इस ऐक्शन को टाल दें ताकि यह जो दुर्घटना हो सकती है उसको टाला जाए।

अध्यक्ष महोदय : सारा हाउस कहेगा तो मैं तो आपका सेवक हूं।

श्री मनी राम बागड़ी : इसमें इन्कार किसी को भी नहीं है लेकिन एक शब्द मैं कहना चाहता हूं कि निरंकारियों से अपील की जाए परन्तु साथ-साथ उसको कन्डेम किया जाए जिसने गुरुद्वारे की पवित्रता को नष्ट किया है और वहां खड़े होकर ऐसा गन्दा बयान दिया है। उसकी निन्दा भी साथ-साथ की जाए। इसके लिए हम अभी तैयार हैं, सारा हाउस तैयार है इसको करने के लिए। **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : पहले एक काम कर लीजिए।

(व्यवधान)

श्री बी० डी० सिंह : उनकी सुरक्षा की व्यवस्था भी की जानी चाहिए।

DR. SUBRAMANIAM SWAMY : Sir, we wrote to you a letter on that.

अध्यक्ष महोदय : आपका लेटर भी रखा है। कल इस पर बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में चर्चा की थी।

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : Since all the Members have agreed to discuss it in the Business Advisory Committee, you on behalf of the House, will appeal....

(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : मैं भी यही कह रहा हूं।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : जो जत्था जा रहा है उसको रोकने से ही काम नहीं चलेगा। अगर वह जत्था वहां चला ही जाए तो उसके बाद कोई गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : आप पहले मेरी बात तो सुनें।

सारे सदन का विचार है, मत है और मैं इस सदन का सेवक हूं तो मैं आपकी भाषा को रूपांतरित कर दूंगा। मैं अपील करूंगा कि हमारे कहने से वे वहां न जायें। लेकिन साथ-साथ मेरे खयाल में आप यह भी ठीक समझेंगे कि जो मतभेद हैं आपस में या कुछ ऐसी बातें हैं जिनके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है, उसके लिए भी बैठकर कुछ ऐसे आदमी जो इम्पार्शल हों, जिनका किसी से कोई मतभेद न हो, इस समस्या को सुलझा दें। जो भी बातें किसी को दुःख देती हैं, एक धर्म के नाम से दूसरे धर्म को, उनको हम हमेशा के लिए निकाल दें, फिर न रहे बांस और न बजे बांसुरी। मैं आपकी तरफ से यह सारी बात कह रहा हूं।

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : मैं आपका

और माननीय सदस्यों का ध्यान इस ओर भी आकर्षित करना चाहता हूं कि निरंकारियों ने इस बात को स्वीकार कर लिया है कि वे अकाल तख्त के सामने जायेंगे और उनको जो भी उसमें आपत्तिजनक मटीरियल नजर आता है, उसको निकाल देने के लिए तैयार हैं ।

अध्यक्ष महोदय : वही बात मैंने कही थी । किसी बात का समाधान होता है और किसी बात का फैसला बात करने से होता है । जो समाधान करना है, दो-चार आदमी हाउस के बैठ कर निश्चित कर देंगे, जिससे वे बीच-बचाव करके, जो भी बात किसी को चुभती है, वह निकाल दें और हमेशा के लिए यह बात खत्म हो जाए । हम उनसे प्रार्थना करेंगे ।

DR. SUBRAMANIAM SWAMI : You should get award for this.

MR. SPEAKER : Thank you.

श्री रशीद मसूद : अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे मंत्री महोदय ने तसलीम किया है कि कोई कानून ऐसा नहीं है कि पुलिस मजहबी जगहों पर न जा सके और क्रिमिनल्स को एरेस्ट न कर सके । ऐसी सूरत में सवाल पैदा होता है कि कानून मौजूद है, लेकिन कानून को इम्पलीमेंट करने वाली सरकार मौजूद नहीं है । क्या यह कांस्टीच्यूशनल मशीनरी का ब्रेकडाउन नहीं है ? ऐसी सूरत में कोई इखलाकी हक इस सरकार को बने रहने का है या नहीं है ? मैं समझता हूं कि इसका कोई इखलाकी जवाब सरकार के पास नहीं है और सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए । जब कानून को इम्पलीमेंट करने वाली मशीनरी नहीं है तो कांस्टीचूशन का ब्रेकडाउन अपने आप हो गया· · ·**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : यह तो हुआ आपका विचार, अब सवाल क्या है ?

प्रो० मधु दण्डवते : सवाल यह है कि क्या नई गवर्नमेंट लायेंगे ? **(व्यवधान)**

श्री रशीद मसूद : मैं यह पूछना चाहता हूं कि निरंकारी बाबा के कत्ल में क्या भिंडरावाला का नाम एफ० आई० आर० में दर्ज था ? अगर था, तो उनको क्यों गिरफ्तार नहीं किया, जब वे दिल्ली में आए थे ? इसकी क्या वजह है कि अब क्यों नहीं गिरफ्तार किया जा रहा है, क्या सरकार बताएगी ?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : जहां तक भिंडरावाला का सवाल है, उनके खिलाफ चार एफ० आई० आर० दर्ज हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि वे गुरुनानक निवास में बैठे हुए हैं· · ·**(व्यवधान)**

श्री रशीद मसूद : उसके बाद वे दिल्ली में आए, लेकिन उनको गिरफ्तार नहीं किया गया । वे गुरुद्वारे में नहीं थे । उनका नाम एफ० आई० आर० में दर्ज था, उनको क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया, यह मैं पूछना चाहता हूं···**(व्यवधान)**

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि उस समय गिरफ्तार नहीं किए जा सके और···**(व्यवधान)**

श्री रशीद मसूद : क्यों नहीं किए जा सके···**(व्यवधान)**···दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है । दिल्ली में आए थे, गुरुद्वारे में नहीं थे । दिल्ली में आए, उसके बाद गिरफ्तार क्यों नहीं किए गए ?···**(व्यवधान)**

श्री मनी राम बागड़ी : प्रधान मन्त्री जी आप चुप क्यों हैं ? पहले तो इस

सेन्टीमेंट का जवाब दिया था,. अब क्यों नहीं जवाब आप दे रही हैं। आपकी सरकार ने क्यों नहीं उनको गिरफ्तार किया। दिल्ली में आसरा लिए फिर रहे थे और आपकी नाक के नीचे आकर चले गए, लेकिन आपने उन पर एक्शन नहीं लिया ···(**व्यवधान**)···यह आग हरियाणा में फैलाई।···(**व्यवधान**)

श्री रशीद मसूद : दिल्ली में आए, क्यों गिरफ्तार नहीं किए गए ? क्या हक है इस सरकार को बने रहने का ?··· (**व्यवधान**)

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : मैंने कहा था, कानून में इसकी रुकावट नहीं है। स्थिति और विस्फोटक···(**व्यवधान**)

DR. SUBRAMANYAM SWAMY : After this appeal, why are you allowing this supplementary ?

श्री मनी राम बागड़ी : राष्ट्रपति जी को सिक्खों की बोट लेनी थी, इसलिए अकालियों को गिरफ्तार नहीं किया गया— यह मेरा आरोप है।···(**व्यवधान**)

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : स्थिति विस्फोटक न हो जाए, इसलिए इस मामले में सरकार सोच-समझ कर restraint का उपयोग कर रही है। इसका यह मतलब नहीं है कि किसी खास मजहब को ही छूट दी गई है। आखिर···(**व्यवधान**)

श्री रशीद मसूद : मुसलमानों को नमाज नहीं पढ़ने दी जा रही है···(**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : अगला क्वेश्चन— श्री मंगल राम प्रेमी।

(**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : कह दिया, दुर्भाग्यपूर्ण है।

(**व्यवधान**)

Mechanical Seal Industry

+

*247. SHRI E. BALANANDAN :
SHRI SUNIL MAITRA :

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state :

(a) whether the mechanical seal industry is entirely in small and medium sector;

(b) if so, whether Government have any intention to invite big industry to come into the picture sooner or later; and

(c) if so, the reasons for that ?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI NARAYAN DATT TIWARI) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c) No, Sir. However, specific proposals if received in the matter are considered by Government on merits.

SHRI E. BALANANDAN : In the answer given by the Minister, it says :

> "(b) & (c) No, Sir. However, specific proposals if received in the matter are considered by Government on merits."

Sir, this mechanical seal industry is a high technology and high precision industry. Now, it is in the small scale and medium sectors. Today the industry is using the capacity of only 40% and the rest of the 60% is lying idle. Now, may I know from the Hon. Minister whether M/s. B.D.K. Engineers Private Ltd., Hubli, Karnataka has submitted an application to the Government on